Mat

Chapter 19

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Καὶ	ἐγένετο,	ὅτε	ἐτέλεσεν	ὁ	Ἰησοῦς	τοὺς	λόγους	τούτους,	μετῆρεν
और	हुअ	जब	समअप्त-किय	–	इ□सोउस-ने	–	वचनोन-को	इन	चले-गये
G2532	G1096	G3753	G5055	G3588	G2424	G3588	G3056	G3778	G3332

ἀπὸ	τῆς	Γαλιλαίας,	καὶ	ἦλθεν	εἰς	τὰ	ὅρια	τῆς	Ἰουδαίας	πέραν	τοῦ
-से	–	गलिलैअ	और	अअये	-मेइन	–	कशेत्र	-के	इओउदैअ	पअर	-के
G0575	G3588	G1056	G2532	G2064	G1519	G3588	G3725	G3588	G2449	G4008	G3588

Ἰορδάνου.
इओरदअन
G2446

> ये बातें कहने के बाद वह गलील से लौट कर यहूदिया के क्षेत्र में यर्दन नदी के पार चला गया।

2

καὶ	ἠκολούθησαν	αὐτῷ	ὄχλοι	πολλοί,	καὶ	ἐθεράπευσεν	αὐτοὺς	ἐκεῖ.
और	पिछ-किय	उनक	भिरोन-ने	बहुत	और	चनग-किय	उनहे	वहन
G2532	G0190	G0846	G3793	G4183	G2532	G2323	G0846	G1563

> एक बड़ी भीड़ वहाँ उसके पीछे हो ली, जिसे उसने चंगा किया।

3

Καὶ	προσῆλθον	αὐτῷ	Φαρισαῖοι,	πειράζοντες	αὐτὸν,	καὶ	λέγοντες,	Εἰ
और	अअये	उनके-पअस	फरिसैओन	परेएकश-करते-हुए	उनकि	और	केहते-हुए	क्य
G2532	G4334	G0846	G5330	G3985	G0846	G2532	G3004	G1487

ἔξεστιν	‹ἀνθρώπῳ›	ἀπολῦσαι	τὴν	γυναῖκα	αὐτοῦ	κατὰ	πᾶσαν	αἰτίαν?
उचित-है	मनुश्य-को	त्यअगन	–	पतनि-को	अपनि	-के-अनुसअर	किसि-भि	कअरन
G1832	G0444	G0630	G3588	G1135	G0846	G2596	G3956	G0156

> उसे परखने के जतन में कुछ फ़रीसी उसके पास पहुँचे और बोले, “क्या यह उचित है कि कोई अपनी पत्नी को किसी भी कारण से तलाक दे सकता है?”

4

ὁ	δὲ	ἀποκριθεὶς,	εἶπεν,	Οὐκ	ἀνέγνωτε,	ὅτι	ὁ	κτίσας	ἀπ’	ἀρχῆς,
–	और	उत्तर-देकर	कह	क्य-नहिन	पध	कि	–	रचनेवल-ने	-से	अअरमभ
G3588	G1161	G0611	G3004	G3756	G0314	G3754	G3588	G2936	G0575	G0746

ἄρσεν	καὶ	θῆλυ	ἐποίησεν	αὐτοὺς,
नर	और	नअरि	बनय	उनहे
G0730	G2532	G2338	G4160	G0846

> उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, “क्या तुमने शास्त्र में नहीं पढ़ा कि जगत को रचने वाले ने प्रारम्भ में, ‘उन्हें एक स्त्री और एक पुरुष के रूप में रचा था?’

5

καὶ	εἶπεν,	Ἕνεκα	τούτου	καταλείψει	ἄνθρωπος	τὸν	πατέρα	καὶ	τὴν
और	कह	-के-करन	इस	चोदेग	मनुश्य	–	पित-को	और	–
G2532	G3004	G1752	G3778	G2641	G0444	G3588	G3962	G2532	G3588

μητέρα,	καὶ	κολληθήσεται	τῇ	γυναικὶ	αὐτοῦ,	καὶ	ἔσονται	οἱ	δύο	εἰς
मत-को	और	जुदेग	–	पतनि-से	अपनि	और	होनगे	–	दो	-मेइन
G3384	G2532	G2853	G3588	G1135	G0846	G2532	G1510	G3588	G1417	G1519

σάρκα	μίαν?
मअस	एक
G4561	G1520

> और कहा था ‘इसी कारण अपने माता-पिता को छोड़ कर पुरुष अपनी पत्नी के साथ दो होते हुए भी एक शरीर होकर रहेगा।’

6

ὥστε	οὐκέτι	εἰσὶν	δύο,	ἀλλὰ	σὰρξ	μία.	ὃ	οὖν	ὁ	Θεὸς	συνέζευξεν,	ἄνθρωπος	μὴ	χωριζέτω.
इस्लिये	अब-नहिन	हैन	दो	बलकि	मअस	एक	जो	इस्लिये	–	परमेश्वर-ने	जोद	मनुश्य	न	अलग-करे
G5620	G3765	G1510	G1417	G0235	G4561	G1520	G3739	G3767	G3588	G2316	G4801	G0444	G3361	G5563

सो वे दो नहीं रहते बल्कि एक रूप हो जाते हैं। इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है उसे किसी भी मनुष्य को अलग नहीं करना चाहिये।”

7

λέγουσιν	αὐτῷ,	Τί	οὖν	Μωϋσῆς	ἐνετείλατο	δοῦναι	βιβλίον	ἀποστασίου,	καὶ	ἀπολῦσαι	‹αὐτήν›?
केहते-हैन	उसे	क्योन	फ़िर	म□यस□स-ने	अअदेश-दिय	देन	पत्र	त्यअग-क	और	त्यअगन	उसे
G3004	G0846	G5101	G3767	G3475	G1781	G1325	G0975	G0647	G2532	G0630	G0846

वे बोले, “फिर मूसा ने यह क्यों निर्धारित किया है कि कोई पुरुष अपनी पत्नी को तलाक दे सकता है। शर्त यह है कि वह उसे तलाक नामा लिख कर दे।”

8

λέγει	αὐτοῖς,	Ὅτι	Μωϋσῆς	πρὸς	τὴν	σκληροκαρδίαν	ὑμῶν	ἐπέτρεψεν	ὑμῖν	ἀπολῦσαι	τὰς	γυναῖκας	ὑμῶν;	ἀπ’	ἀρχῆς	δὲ	οὐ	γέγονεν	οὕτως.
केहते-हैन	उनसे	क्योनकि	म□यस□स-ने	-कि-ओर	–	कथोर-ह्रिदयत	तुमहरि	अनुमति-दि	तुमहे	त्यअगन	–	पतनियोन-को	तुमहरि	-से	अअरमभ	और	नहिन	हुअ-थ	ऐस
G3004	G0846	G3754	G3475	G4314	G3588	G4641	G4771	G2010	G4771	G0630	G3588	G1135	G4771	G0575	G0746	G1161	G3756	G1096	G3779

यीशु ने उनसे कहा, “मूसा ने यह विधान तुम लोगों के मन की जड़ता के कारण दिया था। किन्तु प्रारम्भ में ऐसी रीति नहीं थी।

9

λέγω	δὲ	ὑμῖν,	ὅτι	ὃς	ἂν	ἀπολύσῃ	τὴν	γυναῖκα	αὐτοῦ	μὴ	ἐπὶ	πορνείᾳ,	καὶ	γαμήσῃ	ἄλλην,	μοιχᾶται;	‹καὶ	ὁ	ἀπολελυμένην	γαμήσας,	μοιχᾶται›.
केहत-होओन	और	तुमसे	कि	जो	कभि	त्यअगे	–	पतनि-को	अपनि	नहिन	-पर	व्यभिचअर	और	विवअह-करे	दोओस्रि-से	व्यभिचअर-करत-है	और	–	त्यअगि-हुइ-से	विवअह-करने-वल	व्यभिचअर-करत-है
G3004	G1161	G4771	G3754	G3739	G0302	G0630	G3588	G1135	G0846	G3361	G1909	G4202	G2532	G1060	G0243	G3429	G2532	G3588	G0630	G1060	G3429

तो मैं तुमसे कहता हूँ कि जो व्यभिचार को छोड़कर अपनी पत्नी को किसी और कारण से त्यागता है और किसी दूसरी स्त्री की ब्याहता है तो वह व्यभिचार करता है।”

10

λέγουσιν	αὐτῷ	οἱ	μαθηταί	[αὐτοῦ],	Εἰ	οὕτως	ἐστὶν	ἡ	αἰτία	τοῦ	ἀνθρώπου	μετὰ	τῆς	γυναικός,	οὐ	συμφέρει	γαμῆσαι.
केहते-हैन	उसे	–	चेले	उस्के	यदि	ऐस	है	–	कअरन	-क	मनुश्य	-के-सअथ	–	पतनि	नहिन	अछ-है	विवअह-करन
G3004	G0846	G3588	G3101	G0846	G1487	G3779	G1510	G3588	G0156	G3588	G0444	G3326	G3588	G1135	G3756	G4851	G1060

इस पर उसके शिष्यों ने उससे कहा, “यदि एक स्त्री और एक पुरुष के बीच ऐसी स्थिति है तो किसी को ब्याह ही नहीं करना चाहिये।”

11

ὁ	δὲ	εἶπεν	αὐτοῖς,	Οὐ	πάντες	χωροῦσιν	τὸν	λόγον	τοῦτον,	ἀλλ’	οἷς	δέδοται.
–	और	कह	उनसे	नहिन	सब	समअ-सक्ते	–	वचन	इस	बलकि	जिनहे	दिय-गय-है
G3588	G1161	G3004	G0846	G3756	G3956	G5562	G3588	G3056	G3778	G0235	G3739	G1325

> फिर यीशु ने उनसे कहा, “हर कोई तो इस उपदेश को ग्रहण नहीं कर सकता। इसे बस वे ही ग्रहण कर सकते हैं जिनको इसकी क्षमता प्रदान की गयी है।

12

εἰσὶν	γὰρ	εὐνοῦχοι	οἵτινες	ἐκ	κοιλίας	μητρὸς	ἐγεννήθησαν	οὕτως,	καὶ
हैन	क्योनकि	हिजदे	जो	-से	पेत	मत-के	जनमे-थे	ऐसे	और
G1510	G1063	G2135	G3748	G1537	G2836	G3384	G1080	G3779	G2532

εἰσὶν	εὐνοῦχοι	οἵτινες	εὐνουχίσθησαν	ὑπὸ	τῶν	ἀνθρώπων,	καὶ	εἰσὶν	εὐνοῦχοι
हैन	हिजदे	जो	बनये-गये	-दवर	-	मनुश्योन	और	हैन	हिजदे
G1510	G2135	G3748	G2134	G5259	G3588	G0444	G2532	G1510	G2135

οἵτινες	εὐνούχισαν	ἑαυτοὺς	διὰ	τὴν	βασιλείαν	τῶν	οὐρανῶν.	ὁ
जिनहोने	बनय	अपने-अअप-को	-के-करन	-	रअजय	-के	स्वरगोन	-
G3748	G2134	G1438	G1223	G3588	G0932	G3588	G3772	G3588

δυνάμενος	χωρεῖν,	χωρείτω.
सकने-वल	समन	समये
G1410	G5562	G5562

> कुछ ऐसे हैं जो अपनी माँ के गर्भ से ही नपुंसक पैदा हुए हैं। और कुछ ऐसे हैं जो लोगों द्वारा नपुंसक बना दिये गये हैं। और अंत में कुछ ऐसे हैं जिन्होंने स्वर्ग के राज्य के कारण विवाह नहीं करने का निश्चय किया है। जो इस उपदेश को ले सकता है ले।”

13

Τότε	προσηνέχθησαν	αὐτῷ	παιδία,	ἵνα	τὰς	χεῖρας	ἐπιθῇ	αὐτοῖς,	καὶ
तब	लअये-गये	उनके-पअस	बचचे	तअकि	-	हअथ	रखे	उनपर	और
G5119	G4374	G0846	G3813	G2443	G3588	G5495	G2007	G0846	G2532

προσεύξηται.	οἱ	δὲ	μαθηταὶ	ἐπετίμησαν	αὐτοῖς.
प्रथन-करे	-	और	चेलोन-ने	दअन्त	उनहे
G4336	G3588	G1161	G3101	G2008	G0846

> फिर लोग कुछ बालकों को यीशु के पास लाये कि वह उनके सिर पर हाथ रख कर उन्हें आशीर्वाद दे और उनके लिए प्रार्थना करे। किन्तु उसके शिष्यों ने उन्हें डाँटा।

14

ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν,	Ἄφετε	τὰ	παιδία,	καὶ	μὴ	κωλύετε	αὐτὰ
-	और	इ�सोउस-ने	कह	चोदे	-	बचचोन-को	और	मत	रोको	उनहे
G3588	G1161	G2424	G3004	G0863	G3588	G3813	G2532	G3361	G2967	G0846

ἐλθεῖν	πρός	με;	τῶν	γὰρ	τοιούτων	ἐστὶν	ἡ	βασιλεία	τῶν	οὐρανῶν.
अअने-से	-कि-ओर	मेरे	-	क्योनकि	ऐसोन-क	है	-	रअजय	-के	स्वरगोन
G2064	G4314	G1473	G3588	G1063	G5108	G1510	G3588	G0932	G3588	G3772

> इस पर यीशु ने कहा, “बच्चों को रहने दो, उन्हें मत रोको, मेरे पास आने दो क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का ही है।”

15

καὶ	ἐπιθεὶς	τὰς	χεῖρας	αὐτοῖς,	ἐπορεύθη	ἐκεῖθεν.
और	रखकर	-	हअथ	उनपर	चले-गये	वहन-से
G2532	G2007	G3588	G5495	G0846	G4198	G1564

> फिर उसने बच्चों के सिर पर अपना हाथ रखा और वहाँ से चल दिया।

16

Καὶ	ἰδοὺ,	εἷς	προσελθὼν	αὐτῷ,	εἶπεν,	Διδάσκαλε,	τί	ἀγαθὸν	ποιήσω,
और	देखो	एक	अअकर	उनके-पअस	कह	गुरु	क्य	अछ	करुन
G2532	G3708	G1520	G4334	G0846	G3004	G1320	G5101	G0018	G4160

ἵνα	σχῶ	ζωὴν	αἰώνιον?
तअकि	पौन	जेएवन	अनन्त
G2443	G2192	G2222	G0166

> वहीं एक व्यक्ति था। वह यीशु के पास आया और बोला, “गुरु अनन्त जीवन पाने के लिए मुझे क्या अच्छा काम करना चाहिये?”

17	ὁ	δὲ	εἶπεν	αὐτῷ,	Τί	με	ἐρωτᾷς	περὶ	τοῦ	ἀγαθοῦ?	εἷς	ἐστιν
	–	और	कह	उसे	क्योन	मुझसे	पुछत–है	–के–बरे–मेइन	–	अछे	एक	है
	G3588	G1161	G3004	G0846	G5101	G1473	G2065	G4012	G3588	G0018	G1520	G1510

ὁ	ἀγαθός.	εἰ	δὲ	θέλεις	εἰς	τὴν	ζωὴν	εἰσελθεῖν,	τήρησον	τὰς
–	अछ	यदि	और	चअहत–है	–मेइन	–	जेएवन	प्रवेश–करन	मअन	–
G3588	G0018	G1487	G1161	G2309	G1519	G3588	G2222	G1525	G5083	G3588

ἐντολάς.
अअग्यअओन–को
G1785

> यीशु ने उससे कहा, “अच्छा क्या है, इसके बारे में तू मुझसे क्यों पूछ रहा है? क्योंकि अच्छा तो केवल एक ही है! फिर भी यदि तू अनन्त जीवन में प्रवेश करना चाहता है, तो तू आदेशों का पालन कर।”

18	λέγει	αὐτῷ,	Ποίας?	ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	Τὸ,	Οὐ	φονεύσεις;	Οὐ
	केहत–है	उसे	कौनसि	–	और	इ□सोउस–ने	कह	–	नहिन	हत्य–करेग	नहिन
	G3004	G0846	G4169	G3588	G1161	G2424	G3004	G3588	G3756	G5407	G3756

μοιχεύσεις;	Οὐ	κλέψεις;	Οὐ	ψευδομαρτυρήσεις;
व्यभिचअर–करेग	नहिन	चोरि–करेग	नहिन	झुथि–गवअहि–देग
G3431	G3756	G2813	G3756	G5576

> उसने यीशु से पूछा, “कौन से आदेश?” तब यीशु बोला, “हत्या मत कर। व्यभिचार मत कर। चोरी मत कर। झूठी गवाही मत दे।

19	Τίμα	τὸν	πατέρα	καὶ	τὴν	μητέρα;	καί,	Ἀγαπήσεις	τὸν	πλησίον	σου
	सम्मन–कर	–	पित–क	और	–	मत–क	और	प्रेम–कर	–	पदोसि–से	अपने
	G5091	G3588	G3962	G2532	G3588	G3384	G2532	G0025	G3588	G4139	G4771

ὡς	σεαυτόν.
जैसे	अपने–अअप–से
G5613	G4572

> ‘अपने पिता और अपनी माता का आदर कर’ और ‘जैसे तू अपने आप को प्यार करता है, ‘वैसे ही अपने पड़ोसी से भी प्यार कर।’”

20	λέγει	αὐτῷ	ὁ	νεανίσκος,	Ταῦτα□	πάντα	ἐφύλαξα.	τί	ἔτι	ὑστερῶ?
	केहत–है	उसे	–	युउवक	ये	सब	मअन	क्य	अभि–भि	कम–है
	G3004	G0846	G3588	G3495	G3778	G3956	G5442	G5101	G2089	G5302

> युवक ने यीशु से पूछा, “मैंने इन सब बातों का पालन किया है। अब मुझ में किस बात की कमी है?”

21	ἔφη	αὐτῷ	ὁ	Ἰησοῦς,	Εἰ	θέλεις	τέλειος	εἶναι,	ὕπαγε,	πώλησόν	σου
	कह	उसे	–	इ□सोउस–ने	यदि	चअहत–है	सम्पुरन	होन	ज	बेच	अपनि
	G5346	G0846	G3588	G2424	G1487	G2309	G5046	G1510	G5217	G4453	G4771

τὰ	ὑπάρχοντα,	καὶ	δὸς	[τοῖς]	πτωχοῖς,	καὶ	ἕξεις	θησαυρὸν	ἐν	οὐρανοῖς;
–	सम्पतियोन–को	और	दे	–	गरिबोन–को	और	पअयेग	खजअन	–मेइन	स्वरगोन
G3588	G5225	G2532	G1325	G3588	G4434	G2532	G2192	G2344	G1722	G3772

καὶ	δεῦρο,	ἀκολούθει	μοι.
और	अअ	पिछ–कर	मेर
G2532	G1204	G0190	G1473

> यीशु ने उससे कहा, “यदि तू संपूर्ण बनना चाहता तो जा और जो कुछ तेरे पास है, उसे बेचकर धन गरीबों में बाँट दे ताकि स्वर्ग में तुझे धन मिल सके। फिर आ और मेरे पीछे हो ले!”

22	ἀκούσας	δὲ,	ὁ	νεανίσκος	τὸν	λόγον	(τοῦτον),	ἀπῆλθεν	λυπούμενος;	ἦν
	सुनकर	और	–	युवक	–	वचन	यह	चल-गय	दुखि-होकर	थ
	G0191	G1161	G3588	G3495	G3588	G3056	G3778	G0565	G3076	G1510

γὰρ	ἔχων	κτήματα	πολλά.
क्योनकि	रखने-वल	सम्पतियन	बहुत
G1063	G2192	G2933	G4183

> किन्तु जब उस नौजवान ने यह सुना तो वह दुःखी होकर चला गया क्योंकि वह बहुत धनवान था।

23	Ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	τοῖς	μαθηταῖς	αὐτοῦ,	Ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι
	–	और	इ□सोउस-ने	कह	–	चेलोन-से	अपने	सच	केहत-होओन	तुमसे	कि
	G3588	G1161	G2424	G3004	G3588	G3101	G0846	G0281	G3004	G4771	G3754

πλούσιος	δυσκόλως	εἰσελεύσεται	εἰς	τὴν	βασιλείαν	τῶν	οὐρανῶν.
धनवअन	मुशकिल-से	प्रवेश-करेग	-मेइन	–	रअजय	-के	स्वरगोन
G4145	G1423	G1525	G1519	G3588	G0932	G3588	G3772

> यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, “मैं तुमसे सत्य कहता हूँ कि एक धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश कर पाना कठिन है।

24	πάλιν	δὲ	λέγω	ὑμῖν,	εὐκοπώτερόν	ἐστιν	κάμηλον	διὰ	τρυπήματος
	फ़िर	और	केहत-होओन	तुमसे	अअसअन	है	ओओन्त-क	-से	छेद
	G3825	G1161	G3004	G4771	G2123	G1510	G2574	G1223	G5169

ῥαφίδος	εἰσελθεῖν,	ἢ	πλούσιον	[εἰσελθεῖν]	εἰς	τὴν	βασιλείαν	τοῦ	Θεοῦ.
सुइ-के	प्रवेश-करन	य	धनवअन-क	प्रवेश-करन	-मेइन	–	रअजय	-के	परमेश्वर
G4476	G1525	G2228	G4145	G1525	G1519	G3588	G0932	G3588	G2316

> हाँ, मैं तुमसे कहता हूँ कि किसी धनवान व्यक्ति के स्वर्ग के राज्य में प्रवेश पाने से एक ऊँट का सूई के नकुए से निकल जाना आसान है।”

25	ἀκούσαντες	δὲ	οἱ	μαθηταὶ	ἐξεπλήσσοντο	σφόδρα,	λέγοντες,	Τίς	ἄρα
	सुनकर	और	–	चेले	अचमभित-हुए	बहुत	केहते-हुए	कौन	फ़िर
	G0191	G1161	G3588	G3101	G1605	G4970	G3004	G5101	G0686

δύναται	σωθῆναι?
सक्त-है	बचन
G1410	G4982

> जब उसके शिष्यों ने यह सुना तो अचरज से भरकर पूछा, “फिर किस का उद्धार हो सकता है?”

26	ἐμβλέψας	δὲ,	ὁ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτοῖς,	Παρὰ	ἀνθρώποις	τοῦτο	ἀδύνατόν
	देखकर	और	–	इ□सोउस-ने	कह	उनसे	-के-पअस	मनुश्योन	यह	असमभव
	G1689	G1161	G3588	G2424	G3004	G0846	G3844	G0444	G3778	G0102

ἐστιν,	παρὰ	δὲ	Θεῷ	πάντα	δυνατά.
है	-के-पअस	और	परमेश्वर	सब	समभव
G1510	G3844	G1161	G2316	G3956	G1415

> यीशु ने उन्हें देखते हुए कहा, “मनुष्यों के लिए यह असम्भव है, किन्तु परमेश्वर के लिए सब कुछ सम्भव है।”

27	Τότε	ἀποκριθεὶς,	ὁ	Πέτρος	εἶπεν	αὐτῷ,	Ἰδοὺ,	ἡμεῖς	ἀφήκαμεν	πάντα	καὶ
	तब	उत्तर-देकर	–	पेत्रोस-ने	कह	उसे	देखो	हुमने	छोद-दिय	सब	और
	G5119	G0611	G3588	G4074	G3004	G0846	G3708	G1473	G0863	G3956	G2532

ἠκολουθήσαμέν	σοι;	τί	ἄρα	ἔσται	ἡμῖν?
पिछ-किय	तेर	क्य	फ़िर	होग	हमरे-लिये
G0190	G4771	G5101	G0686	G1510	G1473

> उत्तर में तब पतरस ने उससे कहा, “देख, हम सब कुछ त्याग कर तेरे पीछे हो लिये हैं। सो हमें क्या मिलेगा?”

28

ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτοῖς,	Ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	ὑμεῖς	οἱ
–	और	इ□सोउस-ने	कह	उनसे	सच	केहत-होओन	तुमसे	कि	तुम	–
G3588	G1161	G2424	G3004	G0846	G0281	G3004	G4771	G3754	G4771	G3588

ἀκολουθήσαντές	μοι,	ἐν	τῇ	παλιγγενεσίᾳ,	ὅταν	καθίσῃ	ὁ	Υἱὸς	τοῦ
पिछ-करने-वलोन-ने	मेर	-मेइन	–	पुनरस्रिजन	जब	बैथेग	–	पुत्र	-क
G0190	G1473	G1722	G3588	G3824	G3752	G2523	G3588	G5207	G3588

ἀνθρώπου	ἐπὶ	θρόνου	δόξης	αὐτοῦ,	καθήσεσθε	καὶ	ὑμεῖς	ἐπὶ	δώδεκα
मनुश्य	-पर	सिनहअसन	महिम	अपनि	बैथोगे	भि	तुम	-पर	बरह
G0444	G1909	G2362	G1391	G0846	G2521	G2532	G4771	G1909	G1427

θρόνους,	κρίνοντες	τὰς	δώδεκα	φυλὰς	τοῦ	Ἰσραήλ.
सिनहअसनोन	न्यय-करते-हुए	–	बरह	वनशोन-क	-के	इस्र□ल
G2362	G2919	G3588	G1427	G5443	G3588	G2474

> यीशु ने उनसे कहा, "मैं तुम लोगों से सत्य कहता हूँ कि नये युग में जब मनुष्य का पुत्र अपने प्राप्ती सिंहासन पर विराजेगा तो तुम भी, जो मेरे पीछे हो लिये हो, बाहर सिंहासनों पर बैठकर परमेश्वर के लोगों का न्याय करोगे।

29

καὶ	πᾶς	ὅστις	ἀφῆκεν	οἰκίας,	ἢ	ἀδελφοὺς,	ἢ	ἀδελφὰς,	ἢ	πατέρα,
और	हर	जो-कोइ	छोदेग	घर	य	भैयोन-को	य	बेहेनोन-को	य	पित-को
G2532	G3956	G3748	G0863	G3614	G2228	G0080	G2228	G0079	G2228	G3962

ἢ	μητέρα,	‹ἢ	γυναῖκα›,	ἢ	τέκνα,	ἢ	ἀγροὺς,	ἕνεκεν	τοῦ	μου*□
य	मत-को	य	पतनि-को	य	बचचोन-को	य	खेतोन-को	-के-करन	–	मेरे
G2228	G3384	G2228	G1135	G2228	G5043	G2228	G0068	G1752	G3588	G1473

ὀνόματός,	ἑκατονταπλασίονα	λήμψεται,	καὶ	ζωὴν	αἰώνιον	κληρονομήσει;
नअम	सौ-गुन	पअयेग	और	जेएवन	अनन्त	अधिकअरि-होग
G3686	G1542	G2983	G2532	G2222	G0166	G2816

> और मेरे लिए जिसने भी घर-बार या भाईयों या बहनों या पिता या माता या बच्चों या खेतों को त्याग दिया है, वह सौ गुणा अधिक पायेगा और अनन्त जीवन का भी अधिकारी बनेगा।

30

Πολλοὶ	δὲ	ἔσονται	πρῶτοι	ἔσχατοι,	καὶ	ἔσχατοι	πρῶτοι.
बहुत	और	होनगे	पेहले	अअखरि	और	अअखरि	पेहले
G4183	G1161	G1510	G4413	G2078	G2532	G2078	G4413

> किन्तु बहुत से जो अब पहले हैं, अन्तिम हो जायेंगे और जो अन्तिम हैं, पहले हो जायेंगे।"